**CLASS : 12th (Sr. Secondary)** **4364/4314**
**Series : SS-M/2019**
Total No. of Printed Pages : **56** ***SET : A, B, C & D***

# MARKING INSTRUCTIONS AND MODEL ANSWERS

## राजनीतिशास्त्र

## POLITICAL SCIENCE

***ACADEMIC/OPEN***

(Only for Fresh/Re-appear Candidates)

---

***उप-परीक्षक मूल्यांकन निर्देशों का ध्यानपूर्वक अवलोकन करके उत्तर-पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करें। यदि परीक्षार्थी ने प्रश्न पूर्ण व सही हल किया है तो उसके पूर्ण अंक दें।***

---

***General Instructions :***

*(i) Examiners are advised to go through the general as well as specific instructions before taking up evaluation of the answer-books.*

*(ii) Instructions given in the marking scheme are to be followed strictly so that there may be uniformity in evaluation.*

*(iii) Mistakes in the answers are to be underlined or encircled.*

*(iv) Examiners need not hesitate in awarding full marks to the examinee if the answer/s is/are absolutely correct.*

*(v) Examiners are requested to ensure that every answer is seriously and honestly gone through before it is awarded mark/s. It will ensure the authenticity as their evaluation and enhance the reputation of the Institution.*

*(vi) A question having parts is to be evaluated and awarded partwise.*

*(vii) If an examinee writes an acceptable answer which is not given in the marking scheme, he or she may be awarded marks only after consultation with the head-examiner.*

*(viii) If an examinee attempts an extra question, that answer deserving higher award should be retained and the other scored out.*

*(ix) Word limit wherever prescribed, if violated upto 10%. On both sides, may be ignored. If the violation exceeds 10%, 1 mark may be deducted.*

*(x) Head-examiners will approve the standard of marking of the examiners under them only after ensuring the non-violation of the instructions given in the marking scheme.*

*(xi) Head-examiners and examiners are once again requested and advised to ensure the authenticity of their evaluation by going through the answers seriously, sincerely and honestly. The advice, if not headed to, will bring a bad name to them and the Institution.*

---

***महत्त्वपूर्ण निर्देश :***

*(i) अंक-योजना का उद्देश्य मूल्यांकन को अधिकाधिक वस्तुनिष्ठ बनाना है। अंक-योजना में दिए गए उत्तर-बिन्दु अंतिम नहीं हैं। ये सुझावात्मक एवं सांकेतिक हैं। यदि परीक्षार्थी ने इनसे भिन्न, किन्तु उपयुक्त उत्तर दिए हैं तो उसे उपयुक्त अंक दिए जाएँ।*

*(ii) शुद्ध, सार्थक एवं सटीक उत्तरों को यथायोग्य अधिमान दिए जाएँ।*

*(iii) परीक्षार्थी द्वारा अपेक्षा के अनुरूप सही उत्तर लिखने पर उसे पूर्णांक दिए जाएँ।*

*(iv) वर्तनीगत अशुद्धियों एवं विषयांतर की स्थिति में अधिक अंक देकर प्रोत्साहित न करें।*

*(v) भाषा-क्षमता एवं अभिव्यक्ति-कौशल पर ध्यान दिया जाएँ।*

*(vi) मुख्य-परीक्षकों/उप-परीक्षकों को उत्तर-पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करने के लिए केवल Marking Instructions/Guidelines दी जा रही हैं, यदि मूल्यांकन निर्देश में किसी प्रकार की त्रुटि हो, प्रश्न का उत्तर स्पष्ट न हो, मूल्यांकन निर्देश में दिए गए उत्तर से अलग कोई और भी उत्तर सही हो तो परीक्षक, मुख्य-परीक्षक से विचार-विमर्श करके उस प्रश्न का मूल्यांकन अपने विवेक अनुसार करें।*

## SET – A

---

**वस्तुनिष्ठ प्रकार के प्रश्नों के उत्तर :**

**Key Answer to Objective Type Questions :**

**1.** (i) मार्च 1950 1

(ii) असम में 1

(iii) त्रि-भाषायी फार्मूला 1

(iv) अल्बानिया 1

(v) दिसम्बर 1991 1

(vi) मिखाइल गोर्बाचोव 1

(vii) रूस के पहले राष्ट्रपति 1

(viii) नवम्बर 1989 में 1

(ix) सन् 1949 में 1

(x) द्वितीय स्थान 1

**बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर :**

**Answer to Multiple Choice Type Questions :**

(xi) (घ) उपरोक्त सभी 1

(xii) (ख) 1985 में 1

(xiii) (ग) 8 सदस्य देश 1

(xiv) (ख) चीन-पाकिस्तान के 1

(xv) (ग) आदिवासी 1

(xvi) (घ) कोपनहेगन में 1

[ अतिलघु प्रश्नों के उत्तर ]

**[ Answer to Very Short Type Questions ]**

**2.** हरित क्रान्ति का अर्थ, कृषि उत्पादन में होने वाली वह अपार वृद्धि है, जो कृषि में नई तकनीकी अपनाने के कारण हुई है और जिससे देश का सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक ढाँचा प्रभावित हुआ है। 2

**3.** मिश्रित अर्थव्यवस्था से अभिप्राय एक ऐसी अर्थव्यवस्था, जो पूँजीवादी अर्थव्यवस्था और समाजवादी अर्थव्यवस्था का मिश्रण हो अर्थात् जिसमें दोनों की विशेषताएँ मौजूद हो। 2

**4.** (i) खाद्य संकट से प्रभावित क्षेत्रों में पिछले वर्षों की तुलना में मृत्युदर बढ़ गयी थी।

(ii) खाद्य संकट के कारण खाद्यान्नों की कीमतें बहुत बढ़ गयी।

(iii) इस दौरान जनसंख्या का काफी हिस्सा कुपोषण का शिकार हो गया था। 2

**5.** (i) दूसरे देशों से मैत्रीपूर्ण सम्बन्ध स्थापित करना।

(ii) विश्व में जारी गुट राजनीति से भारत को अलग करना। 2

**6.** (i) भारत में बहुदलीय प्रणाली है।

(ii) भारत में कई राजनीतिक दलों का गठन धर्म अथवा जाति के आधार पर किया गया है। 2

**7.** अमेरिका के वर्चस्व को दर्शाने वाले शक्ति के ***तीन*** रूप : 2

(i) सैनिक शक्ति के रूप में

(ii) ढाँचागत शक्ति के रूप में

(iii) सांस्कृतिक शक्ति के रूप में

**8.** (i) बर्लिन की दीवार का गिरना

(ii) सोवियत संघ का विघटन 2

**9.** पाकिस्तान की स्थापना अगस्त 1947 में हुई। मुख्य कारण था - मोहम्मद अली जिन्नाह द्वारा द्वि-राष्ट्र सिद्धान्त का प्रतिपादन। 2

**10.** (i) अंतर्राष्ट्रीय शान्ति व सुरक्षा की स्थापना करना।

(ii) मानवाधिकारों व मौलिक स्वतन्त्रताओं के सम्मान को बढ़ावा देना। 2

**11.** (i) वनों की कटाई तथा भू-क्षरण

(ii) निरन्तर बढ़ती हुई जनसंख्या

(iii) शहरीकरण

(iv) अत्यधिक ऊर्जा का प्रयोग 2

**[ लघु प्रश्नों के उत्तर ]**

**[ Answer to Short Type Questions ]**

**12.** (i) शिक्षा प्रणाली में ऐसे सुधार किए जाए, जिससे कि देशवासियों का दृष्टिकोण व्यापक हो जाए।

(ii) पिछड़े क्षेत्रों के विकास पर विशेष रूप से ध्यान दिया जाना चाहिए ताकि सन्तुलित विकास हो सके।

(iii) बेरोजगारी एवं गरीबी की समस्या का निदान किया जाना चाहिए ताकि लोगों में असन्तोष न पनपे।

(iv) प्रशासनिक भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाते हुए स्वच्छ एवं पारदर्शी प्रशासन स्थापित किया जाना चाहिए। 4

**13.** जब दिसम्बर, 1885 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना हुई, तो भारत के राजनीतिक हालात ऐसे थे कि समाज का प्रत्येक वर्ग देश को स्वतंत्र देखना चाहता था यही कारण है कि कांग्रेस की

स्थापना के बाद समाज के सभी वर्ग आपसी मतभेदों को भुलाकर कांग्रेस में शामिल हो गए। इस प्रकार कांग्रेस में सभी धर्मों, जातियों, भाषाओं व क्षेत्रों के लोग आ गए और इसी आधार पर कांग्रेस को छाता संगठन की उपमा दी गई। 4

**14.** वैसे तो अलग-अलग देशों में विकास के उद्देश्य अलग-अलग हो सकते हैं क्योंकि सभी देशों की सामाजिक-आर्थिक परिस्थितियाँ समान नहीं होती हैं फिर भी विकास के कुछ सामान्य उद्देश्य होते हैं। 4

(i) उच्च जीवन स्तर

(ii) प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग

(iii) मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति

(iv) रोजगारों की उपलब्धि

**15. 1962 के भारत-चीन युद्ध के प्रमुख कारण थे :**

(i) **तिब्बत की समस्या :** चीन ने 1950 में तिब्बत को अपने कब्जे में ले लिया। इससे तिब्बती नाराज हो गये। 1958 में तिब्बत में सशस्त्र विद्रोह हुआ, जिसको चीन की सेना ने दबा दिया। 1959 में तिब्बत के धर्मगुरू भारत आ गए। इससे चीन नाराज़ हो गया।

(ii) **मानचित्रों का प्रकाशन :** चीन ने 1954 में प्रकाशित अपने मानचित्रों में कुछ ऐसे भाग दर्शाए जो भारत के भू-भाग थे। भारत ने चीन के साथ अपना विरोध जताया।

(iii) **सीमा विवाद :** भारत 1914 से मैकमोहन रेखा को सीमा रेखा मानता आ रहा था। मगर चीन ने इस रेखा को सीमा रेखा मानने से इन्कार कर दिया। 4

**16.** (i) क्षेत्रीयवाद को बढ़ावा देने वाले राजनीतिक दलों व सामाजिक संगठनों पर प्रतिबन्ध लगाया जाना चाहिए।

(ii) पिछड़े हुए क्षेत्रों के विकास के लिए विशेष प्रयास किए जाने चाहिए। उन्हें बिजली, यातायात, संचार के साधन, शिक्षा, स्वास्थ्य की सुविधाएँ उपलब्ध करायी जानी चाहिए।

(iii) पिछड़े हुए क्षेत्रों के नवयुवकों के लिए सरकारी नौकरियों में आरक्षण की व्यवस्था की जानी चाहिए।

(iv) केन्द्रीय मन्त्रिमण्डल में सभी क्षेत्रों के प्रतिनिधियों को स्थान दिया जाना चाहिए। 4

**17.** राष्ट्रीय महिला आयोग के ***चार*** प्रमुख कार्य :

(i) यह आयोग संसद द्वारा निर्मित उन सभी कानूनों की समीक्षा करता है, जिनका सम्बन्ध महिलाओं से होता है।

(ii) यह आयोग महिलाओं को सामाजिक, आर्थिक, राजनैतिक अधिकार उपलब्ध कराने के लिए कार्य करता है।

(iii) यह आयोग महिलाओं पर किए जाने वाले अत्याचारों की जाँच-पड़ताल करता है और दोषियों को दण्ड दिलाने की सिफारिशें करता है।

(iv) विशेष रूप से जिन कठिन परिस्थितियों में महिलाएँ कार्य करती हैं - की रिपोर्ट सरकार को भेजता है। 4

**18.** अन्तर्राष्ट्रीय न्यायालय संयुक्त राष्ट्र के प्रमुख अंगों में से एक है। इसकी स्थापना अन्तर्राष्ट्रीय विवादों के समाधान के लिए की गयी है इसका मुख्यालय हेग में है। इसमें 15 न्यायाधीश हैं जिनका चुनाव सुरक्षा परिषद् की सिफारिश पर महासभा द्वारा किया जाता है। इस न्यायालय के सम्मुख राज्यों के झगड़े, न कि व्यक्तियों के झगड़े लाये जाते हैं। 4

**19.** मानव सुरक्षा से सम्बन्धित ***चार*** प्रमुख बातें निम्नलिखित है : 4

(i) ***प्राकृतिक आपदाएँ :*** बाढ़, अकाल, सूखा व सुनामी लहरें ऐसी प्राकृतिक आपदाएँ हैं, जो मानव की सुरक्षा को खतरे में डाल देती हैं। क्योंकि इससे भारी जान-माल की हानि होती है।

(ii) ***महामारियाँ :*** एड्स, स्वाइन फ्लू व सार्स जैसी महामारियाँ मानव की सुरक्षा के लिए गम्भीर खतरा बनकर उभरी हैं, इनके उपचार के लिए जो नवीन विधियाँ विकसित की गयी हैं, वे निर्धन लोगों की पहुँच से बाहर हैं।

(iii) ***आतंकवाद :*** पिछले दो तीन दशकों में आतंकवाद मानव की सुरक्षा को लेकर एक गम्भीर खतरे के रूप में सामने आया है।

(iv) ***वैश्विक तापमान :*** वायुमण्डल में ग्रीन हाऊस गैसों के उत्सर्जन से पृथ्वी के तापमान में वृद्धि हो रही है जिससे समुद्र तल बढ़ रहा है और समुद्र तट पर बसे नगरों के अस्तित्व के लिए खतरा पैदा होता जा रहा है। 4

**[ निबन्धात्मक प्रश्नों के उत्तर ]**

**[ Answer to Essay Type Questions ]**

**20.** गुट-निरपेक्षता की नीति वह नीति है जो विभिन्न गुटों से तटस्थ रहते हुए भी राष्ट्रीय हित के अनुसार स्वतन्त्र रूप से न्याय पत्र का समर्थन करती हैं। विश्व की घटनाओं के प्रति यह उदासीन नहीं हैं बल्कि एक व्यावहारिक नीति है जो विश्व शान्ति तथा सह अस्तित्व के सिद्धांत में आस्था रखती है। गुट-निरपेक्षता की नीति

का अभिप्राय है कि हम किसी सैनिक गुट में शामिल नहीं हैं। यह कोई निषेधात्मक नीति नहीं है अपितु यह एक सकारात्मक निश्चित और गतिशील नीति है।

**सिद्धान्त :**

(i) गुट निरपेक्ष देशों की राष्ट्रीय स्वाधीनता, सम्प्रभुता क्षेत्रीय अखंडता और सुरक्षा की रक्षा करना।

(ii) साम्राज्यवाद, उपनिवेशवाद, नव उपनिवेशवाद, रंगभेदभाव, वैदेशिक कब्जे, प्रभुत्व का उन्मूलन करना।

(iii) औपनिवेशिक और पराए अधिपत्य के खिलाफ संघर्ष कर रहे राष्ट्रीय मुक्ति आन्दोलनों का समर्थन करना।

(iv) शस्त्रों की होड़ विशेषतौर से आणविक शस्त्रों की होड़ को समाप्त करना।

(v) अन्तर्राष्ट्रीय शान्ति और सुरक्षा की रक्षा करना।

(vi) सामूहिक आत्मनिर्भरता प्राप्त करने के उद्देश्य से गुट-निरपेक्ष और उच्च विकासशील देशों के बीच आर्थिक सहयोग को बढ़ावा देना।

(vii) अन्तर्राष्ट्रीय मामलों से सम्बन्ध रखने वाले मसलों में समानता के आधार पर भागीदारी करना। 6

**अथवा**

साझा या गठबन्धन सरकार एक ऐसे प्रबन्ध का नाम है जिसमें विभिन्न राजनीतिक दलों के सदस्य सरकार के गठन या मंत्रिमण्डल के निर्माण के लिए एक हो जाते हैं।

**सिद्धान्त :**

(i) गठबन्धन सरकार में कम से कम दो या दो से अधिक राजनीतिक दलों की मिली-जुली सरकार गठित होती है।

(ii) इसमें सभी राजनैतिक दलों के द्वारा एक सर्वसम्मत नेता का चयन किया जाता है। जिसके नेतृत्व में साझा सरकार का गठन होता है।

(iii) मूलतः न्यूनतम राजनीतिक कार्यक्रम एवं समझौते पर आधारित होती है।

(iv) इसमें सभी घटक दल मिलजुलकर कार्य करते हैं अतः प्रत्येक कार्य हेतु सभी का समान उत्तरदायित्व होता है।

(v) गठबन्धन एक अस्थायी प्रबन्ध होता है जिसमें शामिल सभी दल अवसर का लाभ उठाने के प्रयास में रहते हैं।

(vi) गठबन्धन सरकार में शामिल सभी राजनीतिक दल ऐसी नीतियों को तिलांजलि के लिए तैयार हो जाते हैं जिनमें उनका परस्पर विरोध होता है। 6

**21. वैश्वीकरण के पक्ष में तर्क :**

(i) वैश्वीकरण के कारण पूँजी के प्रवाह में वृद्धि हुई है और इसका चलन अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर हुआ है।

(ii) वैश्वीकरण के कारण पिछड़े एवं विकासशील देश उन्नत प्रौद्योगिकी प्राप्त करने में सफल रहे हैं।

(iii) विश्व व्यापार में वृद्धि हुई है, जिससे लोगों को उत्तम गुणवत्ता वाली वस्तुएँ देशी बाजारों में उपलब्ध हो रही है।

(iv) लोगों को आजीविका के बेहतर अवसर उपलब्ध हुए हैं।

**वैश्वीकरण के विपक्ष में तर्क :**

(i) वैश्वीकरण के कारण धनी लोग और अधिक धनी एवं निर्धन लोग और अधिक निर्धन हुए हैं।

(ii) विशाल बहु-राष्ट्रीय कम्पनियों की एकाधिकारी प्रवृत्ति बढ़ी है।

(iii) वैश्वीकरण के दौर में जिस प्रकार बहु-राष्ट्रीय कम्पनियों ने व्यापार एवं व्यवसाय पर एकाधिकार स्थापित किया।

(iv) वैश्वीकरण के नाम पर विभिन्न देशों पर पश्चिमी संस्कृति एवं मूल्य लादे जा रहे हैं।

(v) वैश्वीकरण के कारण राज्यों ने कल्याणकारी कार्यों से अपने हाथ खींच लिए हैं। 6

**अथवा**

पिछले 20-30 वर्षों से जिस वैश्वीकरण ने पैर पसारे हैं वह अनूठा है क्योंकि इसमें बहुत तेज गति से और बहुत व्यापक स्तर पर विचारों, वस्तुओं, सेवाओं और पूँजी का प्रवाह जारी है।

**उदय के कारण :**

(i) प्रौद्योगिक विकास

(ii) साम्यवादी व्यवस्था का पतन

(iii) एक-ध्रुवीय व्यवस्था का उदय

(iv) अन्तर्राष्ट्रीय समस्याएँ

(v) निम्न आर्थिक विकास दर 6

## SET – B

---

**वस्तुनिष्ठ प्रकार के प्रश्नों के उत्तर :**

**Key Answer to Objective Type Questions :**

**1.** (i) मिश्रित अर्थव्यवस्था 1

(ii) वर्ष 1950 में 1

(iii) पण्डित जवाहरलाल नेहरू 1

(iv) शीत युद्ध की समाप्ति 1

(v) साम्यवादी दल का 1

(vi) रूस के पहले राष्ट्रपति 1

(vii) शीत युद्ध की समाप्ति का 1

(viii) वर्ष 1971 में 1

(ix) वर्ष 1982 में 1

(x) वर्ष 1991 में 1

**बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर :**

**Answer to Multiple Choice Type :**

(xi) (ग) 1948 में 1

(xii) (क) धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र 1

(xiii) (क) मैकमोहन रेखा 1

(xiv) (ख) द्वितीय 1

(xv) (घ) अगस्त 2002 में 1

(xvi) (घ) उपर्युक्त सभी 1

**[ अतिलघु प्रश्नों के उत्तर ]**

**[ Answer to Very Short Type Questions ]**

**2.** (i) गुट-निरपेक्षता की नीति।

(ii) साम्राज्यवाद व उपनिवेशवाद का विरोध।

(iii) जाति व रंग पर आधारित भेदभाव की नीति का विरोध।

(iv) पंचशील का सिद्धान्त। 2

**3.** विकास का मुख्य उद्देश्य लोगों के रहन-सहन के स्तर का विकास करना है। इसका तात्पर्य यह है कि लोगों के जीवन स्तर न केवल ऊँचा हो बल्कि उन्हें वे सुविधाएँ भी मिलनी चाहिए जिन्हें वे प्राप्त करके अपने जीवन में सुखी व सम्पन्न बन सके। 2

**4.** विकास के पूँजीवादी मॉडल में राज्य का आर्थिक क्रियाओं में कोई स्थान नहीं होता। यह मुफ्त व्यापार, निजी सम्पत्ति, एवं निजीकरण के सिद्धान्तों का समर्थक है। 2

**5.** भारत द्वारा परमाणु शस्त्र बनाने के ***दो*** मुख्य कारण हैं :

(i) भारत द्वारा दूसरे देशों के आक्रमण से बचने के लिए न्यूनतम अवरोधक क्षमता प्राप्त करना।

(ii) भारत के निकट पड़ोसी देशों चीन व पाकिस्तान के पास परमाणु हथियार है। 2

**6.** (i) गठबंधन सरकार में कम से कम दो या दो से अधिक राजनीतिक दलों की मिली-जुली सरकार गठित होती है।

(ii) गठबंधन सरकार में शामिल सभी राजनीतिक दलों के द्वारा एक सर्वसम्मत नेता का चयन किया जाता है जिसके नेतृत्व में साझा सरकार का गठन होता है।

(iii) यह न्यूनतम राजनीतिक कार्यक्रम व समझौते पर आधारित होता है। 2

**7.** (i) शीत युद्ध का अंत

(ii) एक ध्रुवीय विश्व

(iii) विचाराधारात्मक एकलवाद का उदय एवं विस्तार

(iv) एशियाई राजनीति में गहन परिवर्तन उभरकर सामने आए

(v) जर्मनी का एकीकरण 2

**8.** अमेरिका के सांस्कृतिक वर्चस्व के ***दो*** प्रमुख उदाहरण हैं :

(i) नीली जीन्स

(ii) पेप्सी एवं कोका कोला का प्रचलन 2

**9.** (i) दक्षिणी एशिया के लोगों के कल्याण की कामना करना तथा उनकी आजीविका के स्तर में सुधार करना।

(ii) दक्षिणी एशिया के देशों में सामूहिक आत्म-विश्वास को शक्ति देना तथा उसको बढ़ावा देना।

(iii) एक-दूसरे की समस्याओं को पारस्परिक विश्वास, सूझबूझ तथा अभिमूल्यन की दृष्टि से देखना।

(iv) अन्य विकासशील देशों के साथ सहयोग को बढ़ाना। 2

**10.** (i) विश्व शान्ति एवं सुरक्षा की स्थापना हेतु।

(ii) अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देने हेतु। 2

**11.** (i) वस्तुओं, सेवाओं और पूँजी का स्वतन्त्र प्रवाह।

(ii) व्यापार में वृद्धि।

(iii) व्यक्तियों की गतिशीलता, अधिक वेतन पाने के लिए लोग एक देश से दूसरे देश में आ जा सकते हैं।

(iv) अन्तर्राष्ट्रीय आर्थिक संस्थाओं की भूमिका में वृद्धि। 2

**[ लघु प्रश्नों के उत्तर ]**

**[ Answer to Short Type Questions ]**

**12.** (i) **जातिवाद :** भारतीय समाज जातियों में बँटा हुआ है। विभिन्न जातियों के मध्य तनाव बढ़ता है।

(ii) **भाषावाद :** भारत में अनेक भाषा-भाषी लोग रहते है। अनेक बार भाषा समाज में तनाव पैदा कर देता है।

(iii) **क्षेत्रवाद :** भारत में लोग अपने क्षेत्र को जरूरत से ज्यादा महत्त्व देते हैं जिससे विभिन्न क्षेत्रों में तनाव हो जाता है।

(iv) **साम्प्रदायिकता :** भारत में राजनीतिक दल मतदाताओं के वोट बटोरने के लिए साम्प्रदायिकता का भी सहारा लेते हैं। 4

**13. सरल शब्दों में भाषावाद का अर्थ होता है :** व्यक्ति द्वारा अपनी भाषा को श्रेष्ठ और दूसरी भाषाओं की तुच्छ मानते हुए अपनी भाषा को इस प्रकार से बढ़ावा देना कि दूसरी भाषाओं को नुकसान उठाना पड़े। अपनी भाषा से लगाव और अन्य भाषाओं से नफरत भाषावाद कहलाता है। यहाँ भाषा के आधार पर राज्य की स्थापना की माँग ही नहीं की जाती रही है बल्कि समय-समय पर दंगे भी होते रहते हैं। 4

**14.** (i) नियोजन के उद्देश्य व्यापक एवं स्पष्ट होने चाहिए।

(ii) नियोजन के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए आवश्यक साधनों की व्यवस्था की जानी चाहिए।

(iii) नियोजन में लचीलापन होना चाहिए ताकि आवश्यकता पड़ने पर इसमें परिवर्तन किया जा सके।

(iv) नियोजन की विभिन्न संस्थाओं में सन्तुलन बने रहना चाहिए। 4

**15.** भारत में 1960 के दशक में उत्पन्न खाद्य संकट के निम्नलिखित परिणाम सामने आए :

(i) खाद्य संकट से प्रभावित क्षेत्रों में पिछले वर्षों की तुलना में मृत्युदर बढ़ गयी थी।

(ii) खाद्य संकट के कारण खाद्यान्नों की कीमतें बहुत बढ़ गयी थी।

(iii) खाद्य संकट के कारण जनसंख्या का काफी हिस्सा कुपोषण का शिकार हो गया था।

(iv) खाद्य संकट के दौरान पी० एल० 480 के तहत देश को खाद्यान्न की आपूर्ति करने वाला अमेरिका भारत पर अपनी नीतियाँ थोपने लगा था। 4

**16.** दलित पैंथर्स ज्यादातर शहरों की झुग्गी-बस्तियों में पलकर बड़े हुए दलित युवक थे। इन युवकों ने 1972 में अपने साथ किए जाने वाले दुर्व्यवहार के विरूद्ध संघर्ष करने के लिए महाराष्ट्र में दलित पैंथर्स नामक संगठन स्थापित किया था।

**मुख्य उद्देश्य :**

(i) जाति पर आधारित जारी भेदभाव को समाप्त करना।

(ii) सामाजिक न्याय की स्थापना करना।

(iii) सामाजिक न्याय के लिए आरक्षण-सम्बन्धी कानूनों को लागू करना।

(iv) छुआछूत को पूरी तरह समाप्त करना। 4

**17.** सूचना के अधिकार अधिनियम, 2005 के अन्तर्गत कोई भी व्यक्ति किसी सरकारी विभाग, सरकार द्वारा नियंत्रित अथवा सरकार द्वारा पोषित विभाग से किसी भी प्रकार की सूचना प्राप्त कर सकता है। विशेषताएँ :

(i) सूचना के अधिकार से वास्तविक लोकतन्त्र की स्थापना होती है।

(ii) सूचना के अधिकार से प्रशासन में भ्रष्टाचार की समाप्ति होती है।

(iii) सूचना के अधिकार से प्रशासन में पारदर्शिता आती है।

(iv) सूचना के अधिकार से लोगों की कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी मिलती है। 4

**18.** (i) परस्पर अविश्वास

(ii) असुरक्षा की भावना

(iii) आर्थिक कारक

(iv) शक्ति के अनुपात पर असहमति 4

**19.** (i) अन्तर्राष्ट्रीय शान्ति व सुरक्षा स्थापित करना।

(ii) अन्तर्राष्ट्रीय विवादों का शान्तिपूर्ण समाधान करना।

(iii) राष्ट्रों के आत्म निर्णय के अधिकार और उपनिवेशवाद के विघटन की प्रक्रिया को गति देना।

(iv) सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक एवं मानवीय क्षेत्रों में अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग को प्रोत्साहित एवं पुष्ट करना। 4

**[ निबन्धात्मक प्रश्नों के उत्तर ]**

**[ Answer to Essay Type Questions ]**

**20.** 1990 के बाद भारतीय राजनीति में कुछ ऐसी प्रवृत्तियाँ उभरकर आयी हैं, जिन्होंने भारतीय राजनीति के स्वरूप को ही बदल दिया है।

**भारतीय राजनीति में उभरी कुछ प्रवृत्तियाँ :**

(i) **बहुदलीय प्रणाली :** 1990 के बाद भारत में स्पष्ट रूप से बहुदलीय प्रणाली उभरकर आयी है। यही कारण है कि 1989 से लेकर 2009 तक के लोक सभा चुनावों में किसी भी दल को स्पष्ट बहुमत प्राप्त नहीं हुआ। 2014 के लोकसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी को स्पष्ट बहुमत मिलने के बाद भी देश में बहुदलीय प्रणाली ही कायम है।

(ii) **शक्तिशाली विरोधी दल का उदय :** 1998 में बाजपेयी सरकार का पतन सिद्ध करता है कि विरोध दल सरकार को अपदस्थ कर सकते हैं।

(iii) **क्षेत्रीय दलों की भूमिका में वृद्धि :** एक दलीय प्रणाली समाप्त हो जाने के कारण 1989 से लेकर 2009 तक केन्द्र में जो भी सरकारे बनी, क्षेत्रीय दलों के सहयोग से ही बनी।

(iv) **राजनीति में पिछड़ी जातियों की बढ़ती भूमिका :** 1990 के बाद पिछड़ी जातियाँ व दलित लोग राजनीति में आगे आए हैं। आज कई दलों का नेतृत्व पिछड़ी जातियों और दलित समुदाय के लोग कर रहे हैं।

(v) **सिद्धान्तहीन समझौते :** एक-दूसरे के विरोधी दल सत्ता प्राप्ति के लिए समझौते करने में जरा भी संकोच नहीं करते हैं।

(vi) **राजनीति का अपराधीकरण :** 1990 के बाद भारतीय राजनीति का अपराधीकरण हुआ है। यद्यपि अपराधियों के राजनीति में प्रवेश पर कानूनी प्रतिबन्ध लगाए जा चुके हैं लेकिन राजनीति में ऐसे लोगों की कमी नहीं है जिनके विरूद्ध हत्या, बलात्कार व अपहरण के मुकदमें चल रहे हैं।

6

**अथवा**

**शीत युद्ध से अभिप्राय :** अमेरिका और भूतपूर्व सोवियत संघ के बीच रहे उन कटुतापूर्ण सम्बन्धों से है जो तनाव, भय और ईर्ष्या पर आधारित थे और जिनके कारण दोनों ने सैन्य संगठनों की स्थापना की थी और दोनों अपने-अपने प्रभाव क्षेत्र के विस्तार के लिए प्रयासरत थे।

**लक्षण :**

(i) शीतयुद्ध दोनों महाशक्तियों के मध्य तनावपूर्ण सम्बन्धों की स्थिति को व्यक्त करता है।

(ii) शीतयुद्ध एक राजनीतिक तथा मनोवैज्ञानिक युद्ध की स्थिति थी।

(iii) शीतयुद्ध में युद्ध जैसा तनाव तथा विरोध तो विद्यमान रहता था, परन्तु युद्ध से दूर रहने का हर संभव प्रयास रहता था।

(iv) शीतयुद्ध एक तरह से गरम युद्ध से भी अधिक खतरनाक था, जिसमें दोनों गुटों के बीच भय, अनिश्चय एवं असुरक्षा का वातावरण बना हुआ था।

(v) शीतयुद्ध एक तरह का वाकयुद्ध था, जिसमें न युद्ध, न शान्ति बल्कि एक उष्ण शान्ति की स्थिति थी। 6

**21.** अंग्रेजी भाषा का Environment शब्द फ्रांसीसी भाषा के जिस Environ शब्द से बना है। उसका अर्थ होता है - आसपास का आवरण। हिन्दी शब्द पर्यावरण परि व आवरण शब्दों से मिलकर बनता है। परि का अर्थ होता चारो ओर तथा आवरण का अर्थ होता घेरा इस प्रकार जो भी मानव को चारो ओर से घेरे हुए है उसे पर्यावरण का नाम दिया गया है। वायुमंडल, नदी, नाले, पहाड़, पशु पक्षी, पेड़-पौधे व कीट-पतंगे सभी मिलकर पर्यावरण का निर्माण करते हैं।

(i) पर्यावरण प्रदूषण के कारण ऋतु-चक्र प्रभावित हुआ है।

(ii) पशु-पक्षियों पर दुष्प्रभाव पड़ा है।

(iii) पर्यावरण प्रदूषण का मानव स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव।

(iv) पर्यावरण प्रदूषण के कारण पृथ्वी के तापमान में वृद्धि।

(v) नदियों व समुद्रों का जल विषाक्त हुआ है।

(vi) भूमि की उर्वरकता में कमी आयी है।

(vii) पर्यावरण प्रदूषण के कारण परम्परागत फसले होनी बन्द हो गयी।

(viii) पर्यावरण प्रदूषण के कारण प्राकृतिक सन्तुलन बिगड़ा है।

(ix) पर्यावरण प्रदूषण के कारण वायुमण्डल की ओजोन परत में छेद हुआ है। 6

**अथवा**

सरल शब्दों में वैश्वीकरण से हमारा तात्पर्य होता है विचारों, वस्तुओं, सेवाओं एवं पूँजी का एक देश से दूसरे देश में बिना रोक टोक प्रवाह। यह तभी सम्भव है जब इस प्रकार के प्रवाह या आदान-प्रदान का नियमन किसी अन्तर्राष्ट्रीय संस्था द्वारा किया जाए।

**विशेषताएँ :**

(i) यातायात व संचार के साधनों के कारण राज्यों के मध्य भौगोलिक दूरिया कम हो गयी हैं। विश्व एक वैश्विक गाँव बन गया।

(ii) इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की दूर दराज तक पहुँच के कारण विश्व संस्कृति की स्थापना हुई है।

(iii) श्रम बाजार विश्वव्यापी हो गया हैं एक देश के लोग रोजगार की तलाश में दूसरे देश में जा रहे हैं।

(iv) विकासशील देशों के लाखों छात्र शिक्षा ग्रहण करने के लिए विकसित देशों में जा रहे हैं।

(v) ब्रेन ड्रेन व्यापक स्तर पर जारी है। विकासशील देशों के वैज्ञानिक, डॉक्टर, इंजीनियर एवं शिक्षाविद आकर्षक वेतन और सुविधाओं के लिए पश्चिमी देशों की ओर दौड़ रहे हैं। 6

## SET – C

---

**वस्तुनिष्ठ प्रकार के प्रश्नों के उत्तर :**

**Key Answers to Obejctive Type Questions :**

**1.** (i) भारत व पाकिस्तान 1

(ii) त्रि-भाषायी फॉर्मूला 1

(iii) राष्ट्रीय जनतान्त्रिक गठबन्धन (NDA) 1

(iv) वर्ष 2001 में 1

(v) वर्ष 2003 में 1

(vi) प्रथम खाड़ी युद्ध को 1

(vii) जार्ज बुश 1

(viii) बराक हुसैन ओबामा 1

(ix) वर्ष 1978 में 1

(x) 10 देश सदस्य 1

**बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर :**

**Answer to Multiple Choice Type Questions :**

(xi) (ख) 1 जनवरी 2010 को 1

(xii) (ख) सन् 1990 में 1

(xiii) (घ) सन् 1979 में 1

(xiv) (क) भारत 1

(xv) (क) दो गुटों में 1

(xvi) (ख) सन् 1991 में 1

**[ अतिलघु प्रश्नों के उत्तर ]**

**[ Answer to Very Short Type Questions ]**

**2.** मिश्रित अर्थव्यवस्था। 2

**3.** निजी क्षेत्र में कृषि, व्यापार, उद्योग शामिल होते हैं। 2

**4.** 11 और 13 मई 1998 को। 2

**5.** (i) पाकिस्तान

(ii) चीन

(iii) नेपाल

(iv) श्रीलंका 2

**6.** लैटिन भाषा में 'कोआलिशन' (गठबन्धन) का अर्थ - 'एक साथ बढ़ना'। गठबंधन का अर्थ है - एक समूह में इकट्ठा होना, या लोगों, राज्यों या दलों का संघ। 2

**7.** (i) दिसम्बर, 1991 में द्वितीय विश्व के देशों के मुखिया सोवियत संघ का विघटन।

(ii) द्वितीय विश्व में शामिल देशों का लोकतान्त्रिक व्यवस्था की ओर झुकाव। 2

**8.** विश्व का पहला बिजनेस स्कूल यूनिवर्सिटी ऑफ पेन्सिलवेनिया में सन् 1881 में खुला था। 2

**9.** चीनी नेता देंग शियाओपेंग ने 1978 में चीन में आर्थिक सुधारों की शुरुआत करते हुए 'खुले द्वारा की नीति' की घोषणा की। इस नीति का अनुसरण करते हुए चीन विश्व की एक शक्तिशाली अर्थव्यवस्था के रूप में उभरा। 2

**10.** मानव की सम्भावित खतरों जैसे अकाल, महामारी और आपदाओं से रक्षा करना। 2

**11.** 'ग्लोबल वार्मिंग' की परिघटना में विश्व का तापमान बढ़ता है। 2

**[ लघु प्रश्नों के उत्तर ]**

**[ Answer to Short Type Questions ]**

**12.** (i) एक दल का प्रभुत्व अर्थात् कांग्रेस एक धर्मनिरपेक्ष पार्टी थी और उसका संगठन गांव-गांव व नगर-नगर में फैला हुआ था।

(ii) स्वतन्त्रता प्राप्ति के प्रारम्भिक वर्षों में जितने भी विरोधी दल बने थे उनमें से अधिकांश कांग्रेस में से ही निकले थे। जनता ने कांग्रेस से अलग हुए दलों को वोट देने की अपेक्षा कांग्रेस को वोट देना ही उचित समझा।

(iii) मतदाता बड़े कद वाले नेता जैसे नेहरू, मौलाना आजाद इनके त्याग और बलिदान से प्रभावित थे और कांग्रेस के पक्ष में मतदान करते रहे।

(iv) कांग्रेस पार्टी के प्रभुत्व का एक अन्य कारण कि कांग्रेस पार्टी ने स्वतन्त्रता आन्दोलन में बढ़ चढ़कर भाग लिया था। 4

**13.** (i) बहुदलीय प्रणाली

(ii) दलों में व्यक्तित्व की प्रधानता

(iii) साम्प्रदायिक दलों का अस्तित्व

(iv) गुटबन्दी का शिकार सभी दल 4

**14.** (i) सामाजिक एवं राजनीतिक परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए देश के विकास के लिए ऐसी योजनाएँ तैयार करना, जिनसे सामाजिक व आर्थिक त्याग कायम हो सके।

(ii) देश के भौतिक, मानवीय व तकनीकी संसाधनों का अनुमान लगाना और जो संसाधन राष्ट्रीय आवश्यकताओं की तुलना में कम दिखायी पड़ती हो, उनकी वृद्धि की सम्भावनाएँ तलाशना।

(iii) समय-समय पर चालू पंचवर्षीय योजना की प्रगति का मूल्यांकन करना और नीति व उपायों में आवश्यक ताल-मेल बैठाना।

(iv) योजनाओं के लिए ऐसे भिन्न संयंत्रों को जुटाना, जो उनकी विभिन्न सेवाओं में काम आ सके। 4

**15. भारत की विदेश नीति को एक निश्चित आकृति देने में निम्न निर्धारक तत्व :** 4

(i) **भूगोल** : भारत मध्य पूर्व व दक्षिण एशिया की ड्योढ़ी पर स्थित है। इसकी सुरक्षा और हित इस क्षेत्र के भविष्य के साथ जुड़े हैं।

(ii) **इतिहास** : जब भारत को ब्रिटिश शासन से मुक्ति मिली, दो देश का विभाजन हो गया और इसी के साथ कश्मीर समस्या का जन्म भी हो गया।

(iii) **विचारधारा :** भारत की प्रतिबद्धता फासीवाद या साम्यवाद जैसी उग्र विचारधारा के साथ नहीं, बल्कि उदारवाद, लोकतंत्र, धर्म-निरपेक्षता व सहिष्णुता के प्रति रही है।

(iv) **अन्तर्राष्ट्रीय परिवेश :** स्वतंत्रता के बाद, विश्व पटल पर दो महाशक्तियों के नेतृत्व वाले दो परस्पर विरोधी गुट उभर आए। भारत ने किसी भी गुट में शामिल न होकर गुट-निरपेक्षता की नीति का अनुसरण करना उचित समझा।

**16. भारत में उभरकर आए जन आन्दोलनों की विशेषताएँ :**

(i) जन आन्दोलनों ने भारतीय लोकतन्त्र के जनाधार को व्यापक बनाया है।

(ii) जन आन्दोलनों ने जनता के क्रोध एवं तनाव को सही दिशा प्रदान करते हुए लोकतन्त्र को सुदृढ़ बनाया।

(iii) सामाजिक वर्गों के लिए अपनी माँगें बेहतर ढंग से प्रस्तुत करने के मंच बनकर उभरे।

(iv) उन वर्गों की सामाजिक-आर्थिक समस्याओं को अभिव्यक्ति दी है जो चुनावी राजनीति के माध्यम से इन समस्याओं को हल नहीं करा पाए। 4

**17. भारत में महिला सशक्तिकरण की आवश्यकता के कारण :**

(i) महिलाओं को पुरुषों के समान अधिकार प्राप्त नहीं हैं।

(ii) अधिकतर महिलाएँ आर्थिक दृष्टि से पुरुषों पर निर्भर हैं।

(iii) महिलाओं का सामाजिक दर्जा पुरुषों के बराबर नहीं है।

(iv) महिलाओं पर विभिन्न प्रकार के अत्याचार किए जाते हैं।

(v) महिलाएँ हिंसा व घरेलू हिंसा की शिकार हैं। 4

**18.** (i) यह सम्बन्धित पक्षों को वार्ता व पत्र व्यवहार के लिए प्रेरित करती है।

(ii) सम्बन्धित पक्षों को पंच निर्णय, मध्यस्थ और अन्तर्राष्ट्रीय न्यायालय का सहारा लेने का सुझाव देती है।

(iii) यह दोषी राज्य के विरूद्ध आर्थिक प्रतिबन्ध लगाने की आज्ञा देती है।

(iv) यह दोषी राज्य के विरूद्ध सैनिक कार्यवाई करती है। 4

**19.** गरीबी मानव सुरक्षा के लिए एक गैर-पारम्परिक खतरा बनी हुई है। यद्यपि गरीबी एक विश्वव्यापी समस्या है, किन्तु एशिया व

अफ्रीका के विकासशील देशों में यह भयंकर रूप में देखने को मिलती है। इन देशों में गरीब लोग भुखमरी का शिकार है। भारत में भी इस समय एक चौथाई से अधिक लोग गरीबी की रेखा के नीचे रहते हैं। अगर इस समस्या को समय रहते नहीं निबटाया गया तो आने वाले समय में यह विकराल रूप धारण कर लेगी। क्योंकि ऐसा अनुमान लगाया जा रहा है कि आगामी 50 वर्षों में दुनिया के सबसे गरीब देशों में जनसंख्या बढ़कर तीन गुना हो जाएगी जबकि धनी देशों में जनसंख्या घट रही है। 4

**निबन्धात्मक प्रश्नों के उत्तर :**

**Answer to Essay Type Questions :**

**20.** जिस प्रकार भारत में 1989 के बाद से अब तक गठबंधन सरकार स्थापित होती रही उससे स्पष्ट है कि गठबन्धन सरकारें भारतीय राजनीति की एक स्थायी विशेषता बन गई है। ऐसे में अच्छा यही है कि गठबन्धन सरकारें सफलतापूर्वक कार्य करें।

**सफलता हेतु कुछ सुझाव :**

(i) गठबन्धन सरकार का एक न्यूनतम साझा कार्यक्रम तय किया जाना चाहिए।

(ii) निर्णय सभी घटक दलों की सहमति से लिए जाने चाहिए।

(iii) इस सरकार के नेता (P. M.) का चयन घटक दलों की सहमति से होना चाहिए।

(iv) सरकार में शामिल दलों को प्रधानमंत्री के नेतृत्व में कार्य करना चाहिए।

(v) शामिल दलों को प्रधानमंत्री पर अनावश्यक दबाव नहीं बनाना चाहिए।

(vi) सरकार में शामिल छोटे या क्षेत्रीय दलों को उचित सम्मान दिया जाना चाहिए।

(vii) सरकार में शामिल दलों को ब्लैकमेल की राजनीति से बचना चाहिए।

(viii) सरकार में शामिल दलों में एक-दूसरे के प्रति विश्वास होना चाहिए।

(ix) घटक दलों को हठधर्मिता नहीं अपनानी चाहिए।

(x) किसी आम चुनाव से पहले हो या बाद में, गठबन्धन हमेशा वैचारिक आधार पर बनाया जाना चाहिए। 6

**अथवा**

**साम्प्रदायिकता का अर्थ** – किसी धर्म विशेष के अनुयायियों का दूसरे धर्म के अनुयायियों के विरूद्ध एकजुट हो जाना और उनके

हितों के विरूद्ध कार्य करना। साम्प्रदायिकता एक नकारात्मक अवधारणा है जिसमें केवल अपने समुदाय के प्रति निष्ठा की भावना निहित होती है।

**साम्प्रदायिकता को दूर करने के उपाय :**

(i) साम्प्रदायिक दलों पर प्रतिबन्ध लगाना।

(ii) **शिक्षा में सुधार :** पाठ्यक्रमों में धर्म-निरपेक्ष मूल्य तथा मान्यताएँ शामिल किए जाने चाहिए।

(iii) **संचार के साधनों पर नियन्त्रण :** दूरदर्शन चैनलों, समाचार पत्रों एवं पत्रिकाओं पर प्रतिबन्ध लगाया जाना चाहिए।

(iv) **आर्थिक विकास :** सरकार को निर्धन एवं पिछड़े लोगों के विकास पर ध्यान देना चाहिए।

(v) **साम्प्रदायिक तत्वों के विरूद्ध कार्यवाई :** लोग या संस्थाएँ जो साम्प्रदायिकता का जहर फैलाने का कार्य करती हैं, सरकार द्वारा उनके विरूद्ध कार्यवाई की जानी चाहिए।

(vi) **विदेशी तत्वों पर निगाह :** जो विदेशी तत्व या संस्थाएँ देश में साम्प्रदायिकता फैलाकर भारत को खण्डित करना चाहती हैं उन पर कड़ी निगाह रखी जानी चाहिए। 6

**21. काफी समय से पर्यावरण प्रदूषित होता जा रहा है। इस प्रदूषण के लिए जो तत्व जिम्मेदार हैं वे निम्न हैं :**

(i) **पश्चिमी चिन्तन :** क्योंकि इसमें भौतिकवाद को बढ़ावा दिया गया है और पश्चिमी समाज ने प्रकृति का अन्धाधुन्ध दोहन किया है।

(ii) **जनसंख्या वृद्धि :** 50-60 वर्षों में विश्व की जनसंख्या में बड़ी तेजी से वृद्धि हुई है। लोगों की जरूरतों को पूरा करने के लिए अधिक मात्रा में भूमि, जल, लकड़ी, कच्चा माल का प्रयोग किया गया। इससे प्राकृतिक संसाधनों के अन्धाधुन्ध प्रयोग को बढ़ावा मिला ।

(iii) **वनों की कटाई व भू-क्षरण :** वनों की कटाई शुरू हुई जिससे भू-क्षरण की शुरुआत हुई और बाढ़ का प्रकोप बढ़ा है।

(iv) **औद्योगीकरण :** उद्योगों को चलाने के लिए ऊर्जा की जरूरत पड़ती है। ऊर्जा की पूर्ति के लिए कोयले या तेल को जलाना पड़ता है इससे विषैली गैसें पैदा होती हैं।

(v) **जल, वायु और ध्वनि प्रदूषण :** कारखानों से निकलने वाले विषैले रसायनों तथा गन्दे नालों ने जल को प्रदूषित किया तो कीटनाशक रसायनों ने भू-जल को। 6

**अथवा**

वर्तमान समय में पर्यावरण प्रदूषण को लेकर सभी देश चिन्तित हैं। मानव के अस्तित्व की रक्षा के लिए पर्यावरण को प्रदूषित होने से बचाना अति आवश्यक है :

(i) **समग्रवादी जीवन की आवश्यकता :** पर्यावरण संरक्षण के लिए भौतिकवादी चिन्तन का परित्याग करना और उसके स्थान पर समग्रवादी चिन्तन पर बल देना जरूरी है।

(ii) **जनसंख्या नियन्त्रण :** यदि जनसंख्या बढ़ती रही तो यह 2025 तक आठ-नौ अरब तक पहुँच जाएगी। जनसंख्या वृद्धि अनेक प्रकार से पर्यावरण प्रदूषण को बढ़ाती है। इसको नियन्त्रण करना अति आवश्यक है।

(iii) **वन एवं वन्य जीव संरक्षण :** पर्यावरण के संरक्षण के लिए वनों की अन्धाधुन्ध कटाई पर प्रतिबन्ध लगाना जरूरी है क्योंकि वनों की कटाई से भू-क्षरण एवं बाढ़ आदि का

खतरा बढ़ जाता है। इसलिए जरूरी है पेड़ों की कटाई और वन्य जीवों के शिकार पर प्रतिबन्ध लगाया जाए।

(iv) **जल, वायु एवं ध्वनि प्रदूषण पर रोक :** पर्यावरण संरक्षण के लिए जरूरी है कि कारखानों से निकलने वाले विषैले रसायनों और गंदे नालों के पानी को नदियों में डालने पर प्रतिबन्ध लगाया जाए। इसी प्रकार बसों, ट्रकों व परिवहन के अन्य साधनों से निकलने वाले धुएँ को रोकने के उपाय किए जाने चाहिए। 6

## SET – D

---

**वस्तुनिष्ठ प्रकार के प्रश्नों के उत्तर :**

**Key Answer to Objective Type Questions :**

**1.** (i) जवाहर लाल नेहरू 1

(ii) सन् 2000 में 1

(iii) सन् 1917 में 1

(iv) भारत, चीन, जापान 1

(v) ओसामा-बिन-लादेन 1

(vi) 20 दिसम्बर, 2003 में 1

(vii) (i) जींस (ii) जंक फूड 1

(viii) नाईन इलेवन (9/11) 1

(ix) भारत-चीन 1

(x) वर्ष 1967 में 1

**बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर :**

**Answer to Multiple Choice Type Questions**

(xi) (घ) चीन 1

(xii) (ग) बांग्लादेश में 1

(xiii) (ख) ताशकन्द समझौता 1

(xiv) (ग) काठमांडू (नेपाल) में 1

(xv) (ग) वर्ष 1991 में 1

(xvi) (क) 1जनवरी, 1995 में 1

**[ अतिलघु प्रश्नों के उत्तर ]**

**[ Answer to Very Short Type Questions ]**

**2.** निजी क्षेत्र में वस्तुओं का उत्पादन निजी क्षेत्र में होता है और स्वामित्व भी निजी क्षेत्र की संस्थाओं व व्यक्तियों के हाथ में होता है। 2

**3.** भारतीय विकास की योजना में सर्वोच्च प्राथमिकता निश्चित रूप से कृषि क्षेत्र की दी जाती है। 2

**4.** (i) सीमा विवाद, क्योंकि चीन 1914 में निर्धारित मैक मोहन रेखा को स्वीकार नहीं करता।

(ii) तिब्बत के धर्मगुरु दलाई लामा को भारत द्वारा राजनीतिक शरण देना। 2

**5.** शिमला समझौता जुलाई, 1972 में भारत व पाकिस्तान के मध्य सम्पन्न हुआ। 2

**6.** गुट-निरपेक्षता का अर्थ है - किसी गुट में शामिल न होते हुए अन्तर्राष्ट्रीय मामलों में अपनी स्वतन्त्र विदेश नीति का अनुसरण करना। 2

**7.** तृतीय विश्व के देशों से हमारा अभिप्राय : एशिया, अफ्रीका व लेटिन अमेरिका के उन नव-स्वतन्त्र व विकासशील देशों से जो न तो अमेरिका के गुट में शामिल थे औरन ही भूतपूर्व सोवियत संघ के गुट में। 2

**8.** (i) हथियारों की होड़ को बढ़ाना

(ii) युद्धों को बढ़ावा 2

**9.** (i) दक्षिण-पूर्वी एशिया के देशों के मध्य सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक, वैज्ञानिक सहयोग को बढ़ावा देना।

(ii) दक्षिण-पूर्वी एशिया में क्षेत्रीय शान्ति एवं सुरक्षा स्थापित करना। 2

**10.** (i) विश्व स्वास्थ्य संगठन का मुख्य कार्य उपयोगी औषधियों की खोज करना।

(ii) विश्व स्वास्थ्य संगठन नशीली वस्तुओं के सेवन को रोकने के लिए महत्त्वपूर्ण कदम उठाना। 2

**11.** विश्व में बड़े स्तर पर हुए औद्योगीकरण को वैश्विक तापवृद्धि और जलवायु परिवर्तन के लिए उत्तरदायी माना जाता है। 2

**[ लघु प्रश्नों के उत्तर ]**

**[ Answer to Short Type Questions ]**

**12.** राष्ट्र निर्माण के चार प्रमुख तत्त्व :

(i) **मातृभूमि** : मातृभूमि से लगाव देशवासियों को एक-दूसरे से जोड़ता है।

(ii) **भौगोलिक एकता** : किसी एक क्षेत्र में रहने वाले लोग भी एक-दूसरे से जुड़ा महसूस करते हैं।

(iii) **संस्कृति** : समान भाषा, रीति-रिवाज, वेश-भूषा और खान-पान लोगों को एक-दूसरे से जोड़ने का कार्य करती है।

(iv) **राजनीतिक आकांक्षाएँ** : विदेशी शासन से मुक्ति पाने की इच्छा भी लोगों को एक दूसरे के समीप ला खड़ा करती है। 4

**13.** लोकतन्त्र में राजनीतिक दल उल्लेखनीय भूमिका का निर्वाह करते हैं : 4

(i) लोकतन्त्र में राजनीतिक दल जनमत का निर्माण करते हैं।

(ii) राजनीतिक दल चुनावों में सक्रिय रूप से भाग लेते हैं और जोर-शोर से चुनाव अभियान चलाते हैं।

(iii) आम चुनावों में जिस दल को भी विधानमण्डल में स्पष्ट बहुमत प्राप्त होता है, वह सरकार बनाता है।

(iv) राजनीतिक दल सभाओं, रैलियों आदि द्वारा जनता को राजनैतिक शिक्षा प्रदान करते हैं।

**14. भारत ने अपने विदेशी सम्बन्धों में गुट-निरपेक्षता की नीति का अनुसरण किया :** 4

**मुख्य विशेषताएँ :**

(i) स्विट्जरलैण्ड की तरह यह नीति तटस्थता या निष्क्रियता की नीति नहीं बल्कि एक सक्रिय नीति है।

(ii) यह नीति सभी राज्यों के साथ मैत्रीपूर्ण सम्बन्ध स्थापित करने पर बल देती है।

(iii) यह नीति गुटों से दूर रहते हुए शक्ति की राजनीति का विरोध करती है।

(iv) यह नीति तीसरी दुनिया के देशों के मध्य एकता और सहयोग पर बल देती है।

**15. आर्थिक विकास के भारतीय मॉडल की विशेषताएँ :** 4

(i) भारत में मिश्रित अर्थव्यवस्था अपनायी गयी है।

(ii) भारत में आर्थिक विकास हेतु नियोजन पर बल दिया गया है।

(iii) भारत में कृषि के विकास के साथ-साथ उद्योगों के विकास पर भी बल दिया गया है।

(iv) भारत में आर्थिक विकास के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए पंचवर्षीय योजनाओं का निर्माण किया गया है।

**16.** (i) 1973 में वर्तमान उत्तराखण्ड के ग्रामीण आंचल में चिपको आन्दोलन शुरू हुआ था वह पेड़ों की रक्षा के लिए था। इस आन्दोलन में बाहरी लोगों के उत्तराखण्ड में व्यवसाय पर पाबंदी की माँग भी शामिल थी।

(ii) आन्दोलन में भूमिहीन वन कर्मचारियों का आर्थिक मुद्दा भी उठाया गया था।

(iii) इसमें महिलाओं ने पुरुषों की शराबखोरी की लत के विरूद्ध भी आवाज़ उठायी थी।

(iv) यह आन्दोलन व्यापक पर्यावरण संरक्षण का एक भाग था क्योंकि इसमें वनों के संरक्षण पर बल दिया गया था।

(v) इस आन्दोलन से आगे चलकर देश के अन्य भागों में शुरू हुए जन आन्दोलनों को प्रेरणा मिली थी। 4

**17.** भारत में महिलाओं की सामाजिक स्थिति अच्छी नहीं है क्योंकि यहाँ अभी भी पितृसत्तात्मक व्यवस्था चली आ रही है। भारत में अभी भी काफी संख्या में महिलाएँ निरक्षर हैं। इसलिए न तो इन्हें अपने अधिकारों की जानकारी है और न ही ये आत्मनिर्भर हैं। जो महिलाएँ नौकरी करती हैं उनका भी कभी-कभी कार्यस्थल पर शोषण किया जाता है। भारत में सभी वर्गों में दहेज प्रथा जारी है जिसके कारण अभिभावक लड़कियों को बोझ मानते हैं और उनके जन्म के अवसर पर खुशी नहीं जानते हैं। महिलाएँ घर के बाहर ही नहीं, अन्दर भी सुरक्षित नहीं हैं। भारत में महिलाएँ अपनी मर्जी से अपने जीवन साथी का चयन भी नहीं कर पाती और जो करती हैं उन्हें तरह-तरह की यातनाओं का शिकार होना पड़ता है। 4

**18.** संयुक्त राष्ट्र के ***चार*** सिद्धान्त निम्न हैं : 4

(i) संयुक्त राष्ट्र द्वारा छोटे बड़े सम्प्रभु राज्यों को समान माना जाएगा।

(ii) संयुक्त राष्ट्र के सभी सदस्य राज्य चार्टर द्वारा निर्धारित दायित्वों का ईमानदारी से पालन करेंगे।

(iii) संयुक्त राष्ट्र के सभी सदस्य राज्य अन्तर्राष्ट्रीय झगड़ों का निबटारा शान्तिपूर्ण तरीकों से करेंगे।

(iv) संयुक्त राष्ट्र का कोई भी सदस्य-राज्य चार्टर के प्रतिकूल काम करने वाले राज्य की सहायता नहीं करेगा।

**19.** भारत संयुक्त राष्ट्र की स्थापना के समय से ही इसका सदस्य चला आ रहा है। इस नाते वह इसके उद्देश्यों एवं सिद्धान्तों में पूर्ण विश्वास रखता है। 4

(i) भारत संयुक्त राष्ट्र के सभी अंगों में भागीदार रहा है।

(ii) भारत ने अन्तर्राष्ट्रीय शान्ति व सुरक्षा की स्थापना में संयुक्त राष्ट्र को भरपूर सहयोग दिया है।

(iii) भारत ने संयुक्त राष्ट्र के मंच पर रंग-भेद की नीति का विरोध किया है।

(iv) मानवाधिकारों के उल्लंघन व पर्यावरण संरक्षण जैसे मुद्दों पर संयुक्त राष्ट्र का साथ दिया है।

(v) भारत ने संयुक्त राष्ट्र के आतंकवाद विरोधी प्रयासों में इसको सहयोग दिया है।

**[ निबन्धात्मक प्रश्नों के उत्तर ]**

**[ Answer to Essay Type Questions ]**

**20.** गठबन्धन की राजनीति से अभिप्राय उस प्रकार की राजनीति में होता है, जिसमें सत्ता प्राप्ति के उद्देश्य से अर्थात् सरकार बनाने के उद्देश्य से विभिन्न राजनीतिक दल आम चुनावों के पहले या बाद में अलग-अलग गठबन्धनों का निर्माण करते हैं। गठबन्धन राजनीति अस्थिर राजनीति होती है क्योंकि पुराने गठबन्धन टूटते जाते हैं और उनकी जगह नए गठबन्धन लेते रहते हैं। इसका भारतीय राजनीति पर निम्न प्रभाव पड़े हैं :

(i) **राजनीति अस्थायित्व :** जो गठबन्धन सरकारें गठित की जाती हैं, वे स्थायी सरकार नहीं होती क्योंकि जो भी गठबन्धन सरकार का गठन करता है, उसमें शामिल दलों के मध्य कोई वैचारिक एकता नहीं होती।

(ii) **प्रधानमन्त्री की संस्था का पतन :** क्योंकि गठबन्धन में शामिल दल मौके-बे-मौके प्रधानमन्त्री को गठबन्धन छोड़ने की धमकी देते रहते हैं।

(iii) **क्षेत्रीय दलों की भूमिका में वृद्धि :** गठबन्धन सरकारों के अस्तित्व में आने से राजनीति में क्षेत्रीय दलों की भूमिका में अनावश्यक वृद्धि हुई है और इनका सरकार गिराने व बनाने में प्रमुख भूमिका रहती है।

(iv) **राष्ट्रीय एकता को खतरा :** क्षेत्रीय दल क्षेत्रीय एजेण्डे के आधार पर कार्य करते हैं। ये राष्ट्रीय हितों की अपेक्षा क्षेत्रीय हितों को प्राथमिकता देते हैं जिससे राष्ट्रीय एकता को खतरा उत्पन्न हो जाता है।

(v) **नीतियों में निरन्तरता का अभाव :** यह सरकारें अस्थायी सरकारें होती हैं। ये अल्पकालीन नीतियों का निर्माण करते हैं और इससे नीतियों में निरन्तरता नहीं रहती। 6

**अथवा**

**गठबन्धन सरकार के निम्नलिखित रूप हो सकते हैं :**

(i) एक दल की प्रधानता वाली गठबन्धन सरकार : इस प्रकार की सरकार में एक प्रमुख राष्ट्रीय दल अपेक्षाकृत कम प्रभावशाली राष्ट्रीय दलों या क्षेत्रीय दलों के साथ मिलकर सरकार का निर्माण करता है। जैसे केन्द्र में 1999 व 2014 में स्थापित राष्ट्रीय जनतान्त्रिक गठबन्धन की सरकारें। सरकार में सहयोगी दल प्रमुख भूमिका अभिनीत करते हैं किन्तु प्रमुख दल एक ही होता है।

(ii) **दो समान प्रभावशाली दलों की गठबन्धन सरकार :** सरकार में दो समान प्रभावशाली दल मिलकर गठबन्धन सरकार का निर्माण करते हैं। ये दो दल क्षेत्रीय दल हो सकते हैं या फिर एक राष्ट्रीय दल और एक क्षेत्रीय दल हो सकता है।

(iii) **राष्ट्रीय सरकार :** राष्ट्रीय सरकार ऐसी गठबन्धन सरकार होती है जिसमें सभी राजनीतिक दल शामिल होते हैं। गठबन्धन सरकार में राजनीतिक दलों को विधानमण्डल में उनकी सीटों के अनुपात में प्रतिनिधित्व दिया जाता है।

(iv) **निषेधात्मक गठबन्धन सरकार :** जब कुछ राजनीतिक दल मिलकर इसलिए सरकार का गठन करते हैं ताकि दूसरे दल सरकार न बना सकें तो इसे निषेधात्मक गठबन्धन सरकार की संज्ञा दी जाती है। इस प्रकार की सरकार के निर्माण के लिए राजनीतिक दल आम चुनावों के बाद गठबन्धन में बंध जाते हैं। 6

**21.** भारत शुरू से ही पर्यावरण संरक्षण का समर्थक रहा है लेकिन भारत इस मुद्दे पर विकसित देशों के दृष्टिकोण का समर्थन नहीं करता है। भारत ने क्योटो प्रोटोकाल (1997) पर 2002 में हस्ताक्षर किए इसके बाद भी भारत को ग्रीन हाऊस गैसों के उत्सर्जन से छूट दी गयी क्योंकि औद्योगिकरण के दौर से गुजरने

वाले भारत कीर ग्रीन हाऊस गैसों के उत्सर्जन में अधिक हिस्सेदारी नहीं रही। इसलिए पर्यावरण संरक्षण की सर्वाधिक जिम्मेदारी विकसित देशों की ही है भारत ने ग्रीन हाऊस गैसों के उत्सर्जन के लिए विकसित देशों को उत्तरदायी ठहराया हैं भारत ने स्वयं भी इस दिशा में उल्लेखनीय कदम उठाए हैं : जैसे -

(i) भारत ने अपनी नेशनल ऑटो-फ्यूल पॉलिसी के तहत वाहनों के लिए स्वच्छ ईंधन अनिवार्य किया है।

(ii) भारत में 2001 में ऊर्जा संरक्षण अधिनियम में तहत ऊर्जा के ज्यादा कारगर प्रयोग की शुरुआत की गयी है।

(iii) 2003 के बिजली अधिनियम द्वारा Renewable ऊर्जा के प्रयोग को बढ़ावा दिया गया है।

(iv) भारत बायो डीजल सम्बन्धी एक राष्ट्रीय मिशन चलाने के लिए भी तैयार है।

(v) भारत में प्राकृतिक गैस के आयात और स्वच्छ कोयले के प्रयोग को बढ़ावा दिया जा रहा है।

(vi) भारत ने पृथ्वी सम्मेलन (1992) की समीक्षा के लिए 1997 में एक बैठक आयोजित की है। 6

**अथवा**

वर्तमान समय में प्रौद्योगिकी के विकास ने वैश्वीकरण की जिस प्रक्रिया की शुरुआत की, उसके कारण समस्त दुनिया एक वैश्विक गाँव में बदल गयी है। वैश्वीकरण एक बहुआयामी धारणा है। इस नाते इसके आर्थिक, राजनीतिक व सांस्कृतिक प्रभाव अध्ययन का एक विषय बन जाते हैं।

(i) **आर्थिक प्रभाव :** वैश्वीकरण ने विश्व की अर्थव्यवस्था को बहुत अधिक प्रभावित किया है। इसके कारण विश्व के विभिन्न देशों के मध्य विचारों, वस्तुओं, पूँजी व सेवाओं की आवाजाही में तेजी आयी है। इसके चलते अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार में वृद्धि हुई है क्योंकि इससे पहले राज्यों ने वस्तुओं के आयात पर अनेक प्रतिबन्ध लगा रखे थे। विदेशी पूँजी निवेश बढ़ा है। जहाँ विकसित देशों को लाभ पहुँचा है वहीं विकासशील देशों को इससे नुकसान ही हुआ है। अन्तर्राष्ट्रीय आर्थिक संस्थाओं और बहु-राष्ट्रीय कम्पनियों का विकासशील देशों की राजनीति में दखल बढ़ा है।

(ii) **राजनीतिक प्रभाव :** वैश्वीकरण के कारण राज्य की क्षमता अर्थात् सरकार की निर्णय लेने की शक्ति में कमी आयी है। एक समुदाय के रूप में राज्य की प्रधानता अभी भी कायम है। राज्य की ताकत में वृद्धि हुई है क्योंकि उपलब्ध उन्नत प्रौद्योगिकी के कारण राज्य अपने नागरिक के विषय में सूचनाएँ जुटा सकते हैं।

(iii) **सांस्कृतिक प्रभाव :** विभिन्न देशों की संस्कृति पर वैश्वीकरण के प्रभाव को देखकर कुछ लोगों ने यह कहना शुरू कर दिया है कि इससे विश्व की संस्कृतियों के अस्तित्व को खतरा पैदा हो गया है। विश्व संस्कृति के नाम पर शेष विश्व पर पश्चिमी संस्कृति लादी जा रही है। भारतीय लोगों ने विशेषकर युवाओं ने नीली जीन्स पहनने और अमेरिका के लोगों ने जीन्स के ऊपर खादी का कुर्त्ता पहनने का उदाहरण प्रस्तुत किया है। 6